आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस)

तिमाही बुलेटिन [अप्रैल- जून 2024]

पर

प्रेस नोट

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

भारत सरकार

भारत सरकार

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

श्रावण 25, शक संवत 1946

16 अगस्त 2024

प्रेस नोट

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस)

तिमाही बुलेटिन (अप्रैल- जून 2024)

<u>प्रमुख निष्कर्ष</u>

- शहरी क्षेत्रों मे 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के बीच श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) अप्रैल- जून, 2023 में 48.8% में अप्रैल- जून, 2024 मे 50.1% तक बढ़ी है ।
- शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के पुरूषों के बीच श्रम बल भागीदारी दर पुरूष एलएफपीआर में समग्र वृद्धि रूझान दर्शाते हुए अप्रैल- जून, 2023 में 73.5% की तुलना में अप्रैल-जून, 2024 में 74.7% तक बढ़ी ।
- शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं के बीच श्रम बल भागीदारी दर अप्रैल-जून, 2023 में 23.2% की तुलना में अप्रैल- जून 2024 के दौरान 25.2% तक बढ़ी ।
- शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के बीच कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) अप्रैल-जून, 2023 में 45.5% से अप्रैल-जून, 2024 के दौरान 46.8% तक बढ़ी ।
- शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के पुरूषों के बीच कामगार जनसंख्या अनुपात पुरूष डब्ल्युपीआर में समग्र रूप से बढते हुए रूझान दर्शाते हुए अप्रैल-जून, 2023 में 70.4% से अप्रैल-जून 2024 के दौरान 70.4% तक बढ़ा ।
- शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए कामगार जनसंख्या अनुपात महिला डब्ल्यूपीआर में समग्र रूप से बढ़ते हुए रूझान दर्शाते हुए अप्रैल-जून, 2023 में 21.1% से अप्रैल-जून 2024 में 23.0% कर बढ़ा ।
- शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के बीच बेरोजगारी दर (यूआर) अप्रैल-जून 2024 के दौरान 6.6% थी ।
- 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के पुरूषों के बीच बेरोजगारी दर अप्रैल-जून 2023 में 5.9% से अप्रैल-जून 2024 में 5.8% तक कम हुई । 15 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर अप्रैल-जून 2023 में 9.1% से अप्रैल-जून, 2024 में 9.0% तक कम हुई ।

क. परिचय

बारंबार समय अंतरालों पर प्राप्त हुए श्रम बल आकड़ों की उपलब्धता के महत्व पर विचार करते हुए, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) ने अप्रैल 2017 में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आरंभ किया ।

पीएलएफएस के प्रमुखतया दो उदेश्य हैं :

- वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' (सीडब्लयूएस) में केवल शहरी क्षेत्रों के लिए तीन माह के अल्पावधि अंतराल में मुख्य रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों (अर्थात श्रमिक जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर, बेरोजगारी दर) का अनुमान लगाना ।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वार्षिक रूप से 'सामान्य स्थिति' (पीएस+एसएस) और सीडब्लयूएस दोनों में रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों का अनुमान लगाना ।

दिसम्बर 2018 को समाप्त तिमाही से मार्च 2024 को समाप्त तिमाही तक के लिए पीएलएफएस के 22 तिमाही बुलेटिन पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इन तिमाही बुलेटिनों में श्रम बल संकेतकों जैसे श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), बेरोजगारी दर (यूआर), शहरी क्षेत्रों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में रोजगार और श्रम उद्योग में व्यापक स्थिति के अनुसार श्रमिकों के वितरण के अनुमान प्रस्तुत किए गए हैं ।

वर्तमान त्रैमासिक बुलेटिन अप्रैल-जून, 2024 तिमाही के लिए श्रृंखला में तेईसवां है।

अप्रैल-जून 2024 तिमाही के दौरान पीएलएफएस फील्डवर्क

अप्रैल-जून, 2024 की अवधि के लिए आवंटित सभी प्रतिदर्शों के संबंध में सूचना एकत्र करने के लिए फील्डवर्क 8 प्रथम दौरा एफएसयू; त्रिपुरा राज्य में तीन; मध्य प्रदेश, पंजाब, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्यों में से प्रत्येक में एक तथा 14 पुन: दौरा एफएसयू (मणिपुर राज्य से 5, तेलंगाना और महाराष्ट्र राज्यों से दो और पश्चिम बंगाल, मेघालय, त्रिपुरा, केरल और कर्नाटक राज्यों में से एक), जिन्हें हताहत मामलों के रूप में माना गया था, को छोड़कर प्रथम दौरे के साथ-साथ पुन: दौरा प्रतिदर्शों के लिए समय पर पूरा कर लिया गया ।

संबंधित तिमाही के लिए पीएलएफएस के अनुमानों का उपयोग करते समय इन पहलुओं को ध्यान में रखा जा सकता है।

ख. पीएलएफएस का प्रतिदर्श डिजाइन

शहरी क्षेत्रों में एक चक्रीय पैनल प्रतिदर्शकरण डिज़ाइन का उपयोग किया गया है। इस चक्रीय पैनल योजना में, शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक चयनित घर का चार बार दौरा किया जाता है, शुरुआत में 'प्रथम दौरा कार्यक्रम के साथ और बाद में 'पुनः दौरा कार्यक्रम के साथ' समय-समय पर तीन बार। चक्रीय योजना यह सुनिश्चित करती है कि लगातार दो दौरों के बीच पहले चरण की प्रतिदर्शकरण इकाइयों (एफएसयू)[1] का 75% मिलान हो

.....

1. शहरी फ्रेम सर्वेक्षण ब्लॉक (युएफएस) पीएलएफएस के लिए शहरी क्षेत्रों में प्रथम चरण प्रतिदर्शकरण इकाइयों (एफएसयू) के रूप में ली जाने वेली सबसे छोटी क्षेत्र इकाइयाँ है ।

ग. प्रतिदर्श आकार

अखिल भारतीय स्तर पर, शहरी क्षेत्रों में, अप्रैल-जून 2024 तिमाही के दौरान कुल 5,735 एफएसयू (शहरी ढांचा सर्वेक्षण से निकाली गई शहरी प्रतिदर्श इकाई) का सर्वेक्षण किया गया है। सर्वेक्षण किए गए शहरी परिवारों की संख्या 45,016 थी और शहरी क्षेत्रों में सर्वेक्षण किए गए व्यक्तियों की संख्या 1,71,121 थी।

1. **त्रैमासिक बुलेटिन के लिए प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों की संकल्पनात्मक रूपरेखा** : आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), बेरोजगारी दर (यूआर), आदि जैसे प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों का अनुमान देता है। इन संकेतकों और 'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

(क) **श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर):** एलएफपीआर को जनसंख्या में श्रम बल (अर्थात् काम करने वाले, काम की तलाश करने वाले या काम के लिए उपलब्ध) में शामिल व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।

(ख) **श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर):** डब्ल्यूपीआर को जनसंख्या में कार्यरत व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।

(ग) **बेरोजगारी दर (यूआर):** यूआर को श्रम बल में बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।

(घ) **वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस):** सर्वेक्षण की तिथि से पहले के अंतिम 7 दिनों की संदर्भ अवधि के आधार पर निर्धारित गतिविधि स्थिति को व्यक्ति की वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) के रूप में जाना जाता है।

2. अप्रैल-जून 2024 तिमाही के लिए त्रैमासिक बुलेटिन मंत्रालय की वेबसाइट (https://mospi.gov.in) **पर उपलब्ध है** । मुख्य परिणाम संलग्न विवरणों में दिए गए हैं।

अनुलग्नक

पीएलएफएस, त्रैमासिक बुलेटिन (अप्रैल-जून 2024) के प्रमुख निष्कर्ष

1. 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर)

15 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए शहरी क्षेत्रों में एलएफपीआर अप्रैल-जून 2024 में 50.1% थी। पुरुषों के लिए एलएफपीआर अप्रैल-जून 2024 में 74.7% थी, वहीं महिलाओं के लिए इस अवधि के दौरान एलएफपीआर 25.2% थी।

विवरण 1: 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए शहरी क्षेत्रों में सीडब्ल्यूएस में एलएफपीआर (प्रतिशत में)

अखिल-भारतीय

सर्वेक्षण अवधि	पुरुष	महिला	व्यक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)
अप्रैल – जून 2023	73.5	23.2	48.8
जुलाई – सितंबर 2023	73.8	24.0	49.3
अक्टूबर – दिसंबर 2023	74.1	25.0	49.9
जनवरी – मार्च 2024	74.4	25.6	50.2
अप्रैल – जून 2024	74.7	25.2	50.1

2. 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर)

शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अप्रैल-जून 2024 में डब्ल्यूपीआर 46.8% थी। पुरुषों के लिए यह अप्रैल-जून 2024 में 70.4% थी, जबकि महिलाओं के लिए इस अवधि के दौरान यह 23.0% थी।

विवरण 2 : 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए शहरी क्षेत्रों में सीडब्लूएस में डब्ल्यूपीआर (प्रतिशत में)

अखिल -भारतीय

सर्वेक्षण अवधि	पुरुष	महिला	व्यक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)

अप्रैल – जून 2023	69.2	21.1	45.5
जुलाई – सितंबर 2023	69.4	21.9	46.0
अक्टूबर – दिसंबर 2023	69.8	22.9	46.6
जनवरी – मार्च 2024	69.8	23.4	46.9
अप्रैल – जून 2024	70.4	23.0	46.8

3. 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (यूआर)

शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अप्रैल-जून 2024 में बेरोजगारी दर 6.6% थी। पुरुषों के लिए अप्रैल-जून 2024 में बेरोजगारी दर 5.8% थी और महिलाओं के लिए इसी अवधि के दौरान शहरी बेरोजगारी दर 9.0% थी।

विवरण 3 : 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए शहरी क्षेत्रों में सीडब्लूएस में यूआर (प्रतिशत में)

अखिल -भारतीय

सर्वेक्षण अवधि	पुरुष	महिला	व्यक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)
अप्रैल – जून 2023	5.9	9.1	6.6
जुलाई – सितंबर 2023	6.0	8.6	6.6
अक्टूबर – दिसंबर 2023	5.8	8.6	6.5
जनवरी – मार्च 2024	6.1	8.5	6.7
अप्रैल – जून 2024	5.8	9.0	6.6

ड़. प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों के त्रैमासिक अनुमानों की मुख्य विशेषताएं

1. वर्ष 2022 के बाद से 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में रुझान

जनवरी-मार्च, 2022 तिमाही से शहरी क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के लिए एलएफपीआर का रुझान रेखा-चित्र 1 और 2 में प्रस्तुत किया गया है।

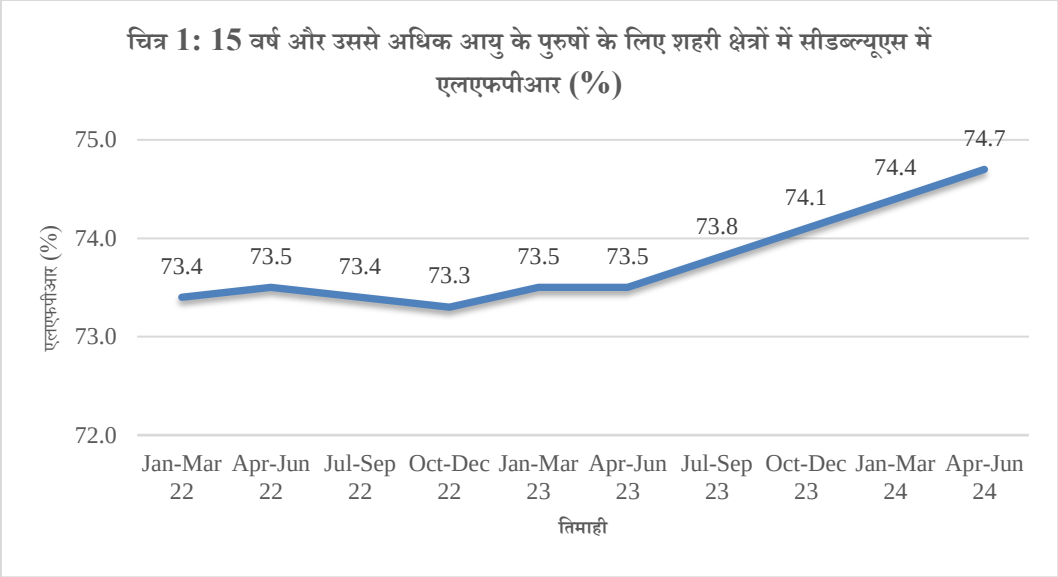

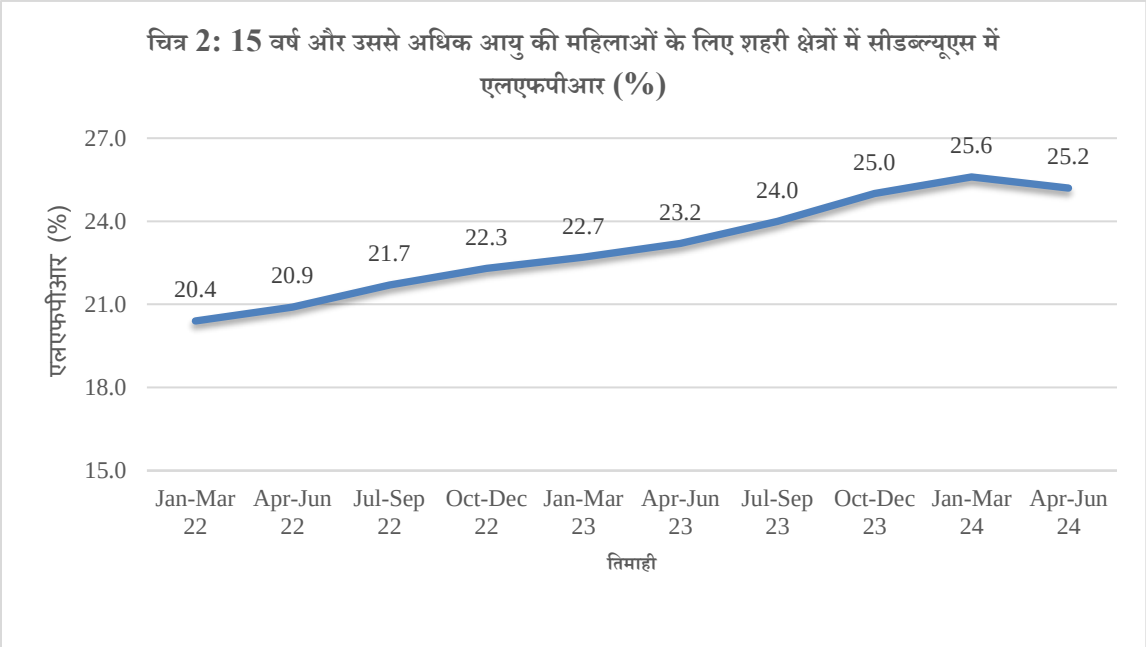

2. वर्ष 2022 के बाद से 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में रुझान

जनवरी-मार्च, 2022 तिमाही से शहरी क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के लिए डब्ल्यूपीआर की प्रवृत्ति रेखा-चित्र 3 और 4 में प्रस्तुत की गई है।

चित्र 3: 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों के लिए शहरी क्षेत्रों में सीडब्ल्यूएस में डब्ल्यूपीआर (%)

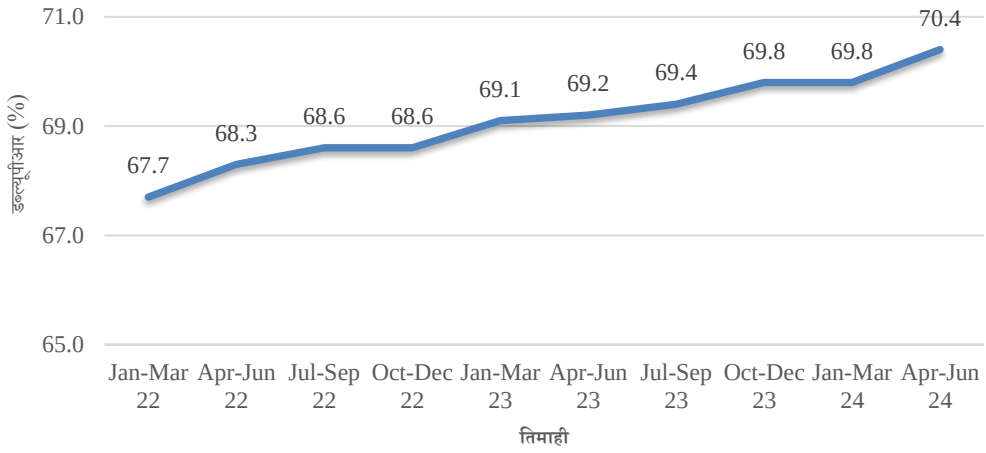

चित्र 4: 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए शहरी क्षेत्रों में सीडब्ल्यूएस में डब्ल्यूपीआर (%)

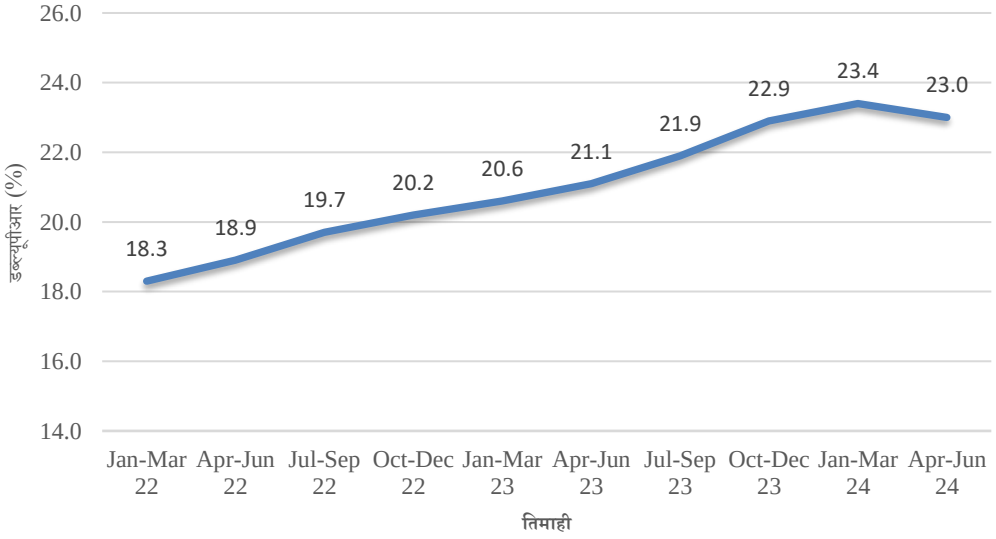

3. वर्ष 2022 के बाद से 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (यूआर) का रुझान

जनवरी-मार्च, 2022 तिमाही से शहरी क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के लिए शहरी जनसंख्या का रुझान रेखा-चित्र 5 और 6 में प्रस्तुत किया गया है।

चित्र 5: 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के पुरुषों के लिए शहरी क्षेत्रों में सीडब्ल्यूएस में यूआर (%)

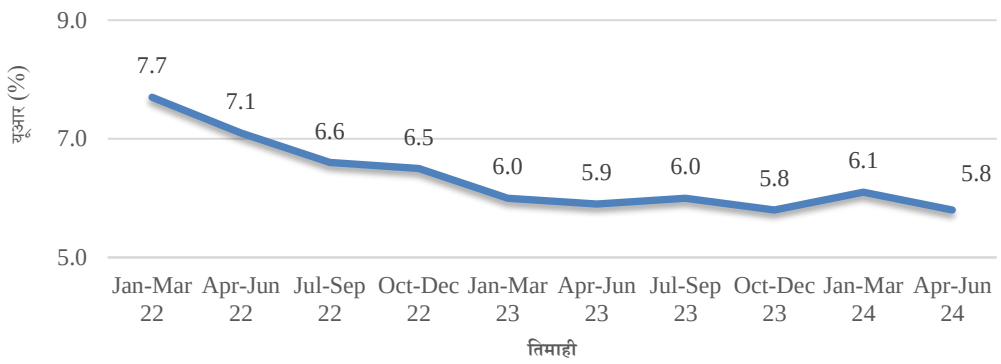

चित्र 6: शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण में शहरी गरीबी रेखा (%)

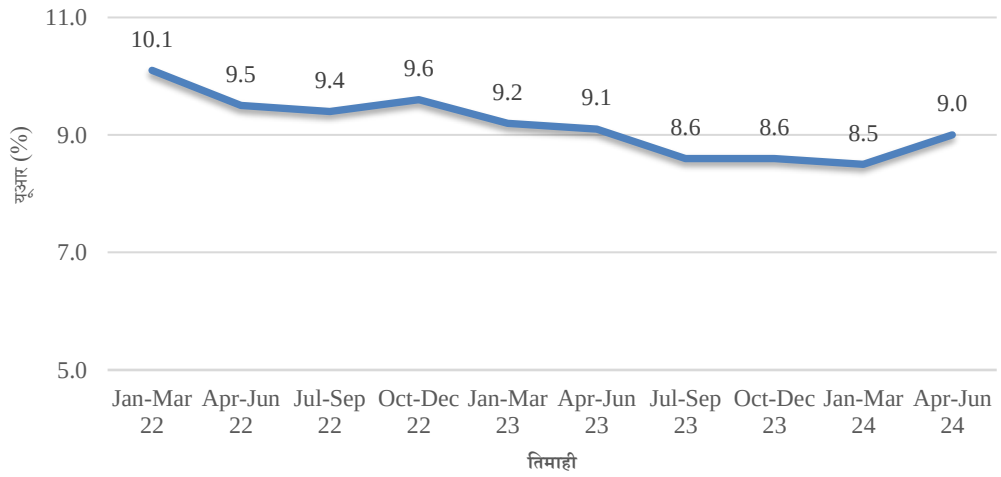

*****